प्रार्थना

(महत्त्व एवं उदाहरण)

भूमिका

'उषःकालमें प्रार्थनाकी कुंजीसे दिनका द्वार खोलें और रातको प्रार्थनाकी कुण्डी डालकर उसे बंद कर लें', ऐसा सुवचन है । दैनिक जीवनकी भागदौडमें हम मनःशान्ति खो बैठते हैं । वह मनःशान्ति प्रार्थनासे मिलती है । असम्भव सम्भव लगने लगता है; क्योंकि प्रार्थनासे श्रद्धाका बल और ईश्वरके आशीर्वाद मिलते हैं । वैज्ञानिकोंने भी प्रार्थनाके महत्त्वको स्वीकार किया है । जापानी वैज्ञानिक डॉ. मासारू इमोटो कहते हैं, 'प्रार्थनासे स्वास्थ्यपर अच्छा परिणाम होता है ।' ईश्वरप्राप्ति हेतु साधना करनेवालोंके लिए तो प्रार्थना, निरन्तर ईश्वरीय सायुज्यमें (आन्तरिक सम्पर्कमें) रहनेके लिए अनमोल साधन ही है ।

विद्यार्थी, गृहिणी, कर्मचारी, अभियन्ता, वैद्य, किसान, साधक, राष्ट्राभिमानी एवं धर्माभिमानी, सभीके लिए उपयुक्त सरल प्रार्थनाएं इस लघुग्रन्थमें दी गई हैं । साथ ही दैनिक पूजा-अर्चना, त्योहार-उत्सव, दिनचर्या, व्याधियां (बीमारी),

क्रय (खरीदारी) करना आदि विविध प्रसंगोंमें क्या प्रार्थनाएं करनी चाहिए, यह भी आप इस लघुग्रन्थसे जान पाएंगे ।

सभी इस लघुग्रन्थका लाभ उठाकर जीवनको आनन्दमय और सफल बनाएं, यही श्री गुरुचरणोंमें प्रार्थना है ! – **संकलनकर्ता**

अनुक्रमणिका

卐 सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवलेजीका संक्षिप्त परिचय ५

卐 भूमिका ६

१. व्युत्पत्ति एवं अर्थ २. महत्त्व ८

३. लाभ ४. प्रकार ११

५. प्रार्थना अर्थात बन्धनरहित साधना ! १७

६. प्रार्थना किससे करें ? १८

७. प्रार्थना कैसे करें ? २०

८. प्रार्थनाके सन्दर्भमें होनेवाली चूकें २६
९. प्रार्थनाके उदाहरण २७
१०. विदेशियोंको प्रार्थनाका महत्त्व अब ज्ञात होना ! ५५
११. प्रार्थनाके साथ ही सर्वांग साधना करें ! ५७
卐 आध्यात्मिक परिभाषामें प्रस्तावना ! ६१
卐 'सूक्ष्म' शब्दके सन्दर्भमें कुछ संज्ञाओंका अर्थ ६३

देवता एवं पूजा-पाठ सम्बन्धी सनातनका अनमोल ग्रन्थ !

पूजापूर्व व्यक्तिगत व्यवस्था

पूजककी व्यक्तिगत तैयारी उसकी सात्त्विकता बढानेमें लाभदायक सिद्ध होती है। स्त्री-पुरुष की वेशभूषा एवं केशरचना कैसी हो, वे कौनसे अलंकार धारण करें, कुमकुम लगानेकी उचित पद्धति क्या है आदि के विषयमें ज्ञान प्रदान करनेवाला यह ग्रन्थ पढें !